रात्रिलास 22-5-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

करोड़पति बड़ा आदमी उसको उड़धांगो हो गया तो क्यासुख पाया। इतनी मेहनत की कोड़ इकट्ठी की बच्चों के लिए। ऐसे 2 आदमी मर भी जाते हैं। यह तो बच्चे अभी समझते हैं हम जा रहे हैं। स्टीमर में बैठे हैं खेवईया के। बच्चे जानते हैं यह पुरुषोत्तम संगम युग है। इस पुरानी दुनिया जाना भी है जरूर। शान्तिधाम और नई दुनिया सतयुग में हम थे तो कोई झण्ड नहीं था। अभी हम राज-भाग योग बल से ले रहे हैं। बाप ने समझाया है योगबल से तुम विश्व की राजाई पा सकते हो। यह खेल है ना। सारीदुनिया की हिस्ट्री जागरफी गुप्त लेकर सुनाते हैं। ऊंच ते ऊंच बाप है फिर ब्रहमा विष्णु शंकर को भी जानते हो। स्वर्ग में हमारा राज्य था। फिर सीढ़ी उतरे। सीढ़ी चढ़ना और उतरना। यह आगे बुद्धि में नहीं था। आगे सिर्फ कथाएं थीं। अभी तुम्हारी बुद्धि में वह सभी बदल गया। अभी तुम बच्चों की बुद्धि में है वर्ल्ड कीहिस्ट्री जागरफी कैसे फिरती है। इसमें हमारा पार्ट है हीरो-हीरोईन का। हम हार खाते हैं फिर जीत पाते हैं। यह ल0ना0 होकर गये हैं यह कोई भी बता न सके सिवाय तुम बच्चों के। यह शिव बाबा ही पढ़ाते हैं। वह है ज्ञान का सागर मनुष्य सृष्टि का बीज रूप। उल्टा झाड़ है ना। बीज ऊपर में है। झाड़ नीचे। एक ही बीज है। तुम बाप बीज को भी जान गए हो। हमारा धर्म प्रायः लोप हो गया है। पढ़ाई कितनी सहज है। तुम बच्चों को निश्चय है श्रीमत पर हम आते हैं। हमारा धर्म प्रायः लोप हो गया है। पढ़ाई कितनी सहज है। तुम बच्चों को निश्चय है श्रीमत पर हम आते हैं। स्वराज्य स्थापन कर रहे हैं। बाप आते हैं स्वर्ग की स्थापना करते हैं। वहां सुख ही सुख है। अभी सभी बच्चे यहां भी रहते हैं जानते हैं हम सदैव के लिए हर्षित बनने वाले हैं। यहां हर्षितपना सीखते हो। नई दुनिया में तो तुम हर्षित रहते हो। यह कर्मों का अथवा भक्ति का फल है। जिसने बहुत भक्ति की है वह बहुत ज्ञान लेंगे। कम भक्ति वाले कम ज्ञान लेंगे। नवज़ देखी जाती है। सतयुग में आने वाला होगा तो उनको झट धारणा होगी। बाप झोली भरते हैं। भक्ति मार्ग में शिव शंकर कहा जाता है। बाकी-ऐसे है नहीं। सूक्ष्म वतन में सर्प बैल आदि होते ही नहीं। तुमको फरिश्ता बनना है। एकदम जो प्युर बन जावेंगे एक बाप के सिवाय दूसरा न कोई। यह अवस्था पक्की करनी है। मित्र सम्बन्धी आदि कुछ नहीं होते। बान्धेली तो वास्तव में सभी हैं। बेहद के बान्धेली। रावण के जंजीर में बंधे हैं ना। बान्धेली होना अच्छा है। बाप को बहुत यादकरती है। याद से ही सभी काम है। अच्छा बच्चों को गुडनाईट और नमस्ते।

पिकनिक, 22-5-68 बुधवारः- कोई भी हालत में बच्चों को परफेक्टबनना है। उनको फरिश्ता भी कहते हैं। यहां से जैसे परफेक्ट हो जाना है। जब सा0 में भी बच्चे देखते हैं सम्पूर्ण मम्मा बाबा। यह गुह्य बातें समझने की हैं। तुम बच्चों को यह तो याद की यात्रा है वह फरिश्ता बनने की है। तुम बच्चों को मेहनत करनी है। जब बच्चे सा0 करते हैं ध्यान में जाते हैं भोग ले जाते हैं सम्पूर्ण मम्मा बाबा को देखते हैं। तो यह है तुम्हारी एमआबजेक्ट। सम्पूर्ण फरिश्ते बनने की। फरिश्तों में हड्डी मांस नहीं होता। तो बच्चों को मेहनत करनी है फरिश्ते बनने की। यहां आते हो फरिश्ते बनने लिए फिर जाकरदेवता बनेंगे। फरिश्ता बनने के लिए भी याद की यात्रा चाहिए। सूक्ष्म वतन में भी नालेज चाहिए। वहां जो सम्पूर्ण मम्मा बाबा देखते हैं वह है एकआबजेक्ट जो सभी याद की यात्रा से बनते हैं। वहां है मुवी। टाकी नहीं। यहां भी बच्चों को कहते हैं शान्ति से चलो जाओ बात नहीं करो। यहां पहले की बायसकोप मुवी था फिर टाकी बनी है। तो यहां भी बच्चे अगर मुवी में रहे थोड़ा बोले तो घर में बड़ी शान्ति रहे। तो फिर उनको कहेंगे सच्ची सायलेन्स। टाकी से मुवी में जाना है। मुवी से फिर शान्ति में जाना है। ड्रामा के प्लेन अनुसार। तो बच्चों को यह प्रश्न भी रास्ता बपार करना है। बच्चों को ऐसा बनाना है। बादशाही लिए थोड़ी बहुत मेहनत करनी है। बाकी है सहज। कोई हाथ पांव चलाने की बात ही नहीं। मेहनत है। भक्ति मार्ग में यह बातें नहीं वहां तो धांधा तमाशा आदि है। बच्चे भी जब यहां मुवी में हो तब वहां जावे तो यह अभ्यास करना है। यहां बैठे। अच्छा बच्चों से विदाई।

*::**::*